आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 11.02.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत ऊर्जा सप्ताह कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन किया। कहा– सरकार ने देश के सामान्य परिवारों और किसानों को ऊर्जादाता बनाया है।
- सरकार, प्रदेश में अधूरी शिक्षा को पूरी करने की इच्छुक महिलाओं को उच्च शिक्षण संस्थानों में आसानी से प्रवेश दिलाने लिए कार्ययोजना बनाएगी।
- बागेश्वर जिले के खोली में 50 बैड का क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण जारी।
- 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तराखंड में विकसित की गई अवस्थापना सुविधाओं के रख–रखाव के लिए खेल विभाग प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

भारत ऊर्जा सप्ताह

भारत ऊर्जा सप्ताह–2025 आज से नई दिल्ली के यशोभूमि में शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत ऊर्जा सप्ताह का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले 5 वर्षों में सरकार कई बड़े मील के पत्थर पार करने जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के कई ऊर्जा लक्ष्य, 2030 की समय सीमा के अनुरूप हैं।
चार दिन के इस विशाल सम्मेलन में 700 से अधिक प्रदर्शक और दुनिया भर के 70 हजार ऊर्जा पेशेवर भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र में नवाचारों का शामिल करना, साझेदारी बनाना और ऊर्जा के भविष्य को आकार देना है।

मुख्य सचिव

प्रदेश में अधूरी शिक्षा को पूरी करने की इच्छुक महिलाओं को उच्च शिक्षण संस्थानों में आसानी से प्रवेश दिलाने लिए एक उदार कार्ययोजना बनाई जाएगी। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने यूएन विमेन इण्डिया के प्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में आयोजित बैठक में सचिव, उच्च शिक्षा को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने यूएन विमेन के राज्य में महिला सशक्तिकरण के विजन को धरातल पर उतारने के लिए नियोजन, श्रम, शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण एवं परिवहन विभाग को प्रभावी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा है। उन्होंने इस सम्बन्ध में कौशल विकास विभाग को नोडल बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने परिवहन एवं शिक्षा विभाग को छात्राओं के लिए शिक्षण संस्थानों तक आसानी से व कम लागत में परिवहन की सुविधा सुलभ करवाने के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने यूएन विमेन इण्डिया से कल्याणकारी योजनाओं का महिलाओं के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने का आग्रह किया है।

क्रिटिकल केयर यूनिट निरीक्षण

बागेश्वर जिले के खोली में लगभग 12 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से 50 बैड का क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण किया जा रहा है। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कार्यदायी संस्था को निमार्ण कार्यों की गुणवत्ता के साथ ही निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

खिलाड़ी सराहना

38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तराखंड में विकसित की गई अवस्थापना सुविधा की खिलाड़ी और उनके कोच सराहना कर रहे हैं। हालांकि उनका यह भी कहना है कि राष्ट्रीय खेलों के बाद इसे संवारने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उनका यह भी मानना है कि राष्ट्रीय खेलों के लिए बेहतर इंतजाम कर उत्तराखंड ने खेल भूमि बनने की दिशा में लंबी छलांग लगा दी है। गौरतलब है कि 28 जनवरी से शुरू हुए राष्ट्रीय खेलों के महा आयोजन की तैयारी के लिए उत्तराखंड ने कम समय में बेहतर व्यवस्थाएं बनाई हैं। कुल 35 खेलों के लिए देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, पिथौरागढ़ और रूद्रपुर सहित कई अन्य स्थानों पर युद्धस्तर पर काम करते हुए सुविधाएं जुटाई गईं। देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर का राष्ट्रीय खेलों की वजह से कायाकल्प हो गया है। देशभर से आए खिलाड़ी और उनके कोच अवस्थापना सुविधाओं से संतुष्ट हैं, लेकिन इस आयोजन के बाद रख–रखाव के लिए ठोस व्यवस्था की पैरवी भी कर रहे हैं। वहीं, राष्ट्रीय खेलों के बाद खेल अवस्थापना सुविधाओं के रख–रखाव को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर है।

खेल विभाग अवस्थापना सुविधाओं के रख–रखाव के लिए अकादमी का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। खेल निदेशक प्रशांत आर्या के अनुसार इस संबंध में रोजाना बैठक की जा रही है और प्रस्ताव तैयार कर जल्द ही शासन को भेजा जाएगा।

रेस वॉक

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में एथलेटिक्स की रेस वॉक स्पर्धा में इतिहास रचा गया, जब पुरुषों की 20 किलोमीटर रेस वॉक में लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड 14 साल बाद टूट गया। झारखंड के गुरमीत सिंह ने वर्ष 2011 में 1 घंटे 23 मिनट और 26 सेकंड में रेस पूरी करके राष्ट्रीय खेलों का रिकॉर्ड बनाया था। इस बार छह भारतीय एथलीटों ने यह रिकॉर्ड तोड़ा। सर्विसेज के सर्विन सेबेस्टियन ने 1 घंटे 21 मिनट और 23 सेकंड में रेस पूरी करके नया राष्ट्रीय खेलों का रिकॉर्ड बनाया। इसके अलावा उत्तराखंड के सूरज पंवार, पंजाब के अमनजोत सिंह, सर्विसेज के परमजीत सिंह, उत्तर प्रदेश के राम बाबू और राजस्थान के मुकेश निथरवाल ने भी गुरमीत सिंह के 2011 के रिकॉर्ड से बेहतर समय निकाला। वहीं, छह एथलीटों द्वारा एक साथ 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने से भारतीय एथलेटिक्स में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। यह उपलब्धि न केवल भारतीय रेस वॉकर्स की बेहतर फिटनेस और तकनीकी प्रगति को दर्शाती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के बढ़ते कद का भी संकेत देती है। पुरुषों की स्पर्धा के साथ ही महिलाओं की 10 किलोमीटर रेस वॉक में भी राष्ट्रीय खेलों का रिकॉर्ड टूटा। मणिपुर की वाई बाला देवी द्वारा 2023 में बनाए गए 51 मिनट 56 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को नौ एथलीटों ने तोड़ दिया। हरियाणा की रवीना ने 45 मिनट 52 सेकंड के नए रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

हैंडबॉल प्रतियोगिता

ऊधमसिंह नगर जिले में रुद्रपुर के मनोज सरकार स्टेडियम में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत हैंडबॉल सेमीफाइनल प्रतियोगिता में हरियाणा ने उत्तराखंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। हरियाणा के कप्तान मंजीत कुमार ने बताया कि पूरे मैच में टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि फाइनल मैच में भी टीम पूरे जोश और रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी और स्वर्ण पदक अपने नाम करेगी।